प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

मिश्रित नर्सरी नहीं विशिष्ठ नर्सरी की जरुरत: डा. द्विवेदी

पंतनगर। 15 दिसम्बर 2020। पंतनगर विश्वविद्यालय के सेवायोजन एवं परामर्श निदेशालय एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के वित्तीय सहयोग से अनुसूचित जाति के तहत संचालित उद्यमिता विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत औद्यानिक फसलों की व्यवसायिक नर्सरी उत्पादन विषय पर द्विसाप्ताहिक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत कृषि महाविद्यालय में हुई। कार्यक्रम का उद्घाटन रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला, रक्षा अनुसंधान विकास संगठन के निदेशक, डा. एस. के. द्विवेदी द्वारा किया गया और डा. द्विवेदी ने बताया कि नर्सरी उत्पादन में बहुत सम्भावनाऐं हैं क्योंकि अन्य परंपरागत फसलों की अपेक्षा औद्यानिक फसलों के उत्पादन में पिछले 20 वर्षों में 10 गुना वृद्धि हुई है, परन्तु गुणवत्तायुक्त पौध उत्पादन अभी भी बड़ी चुनौती के रूप में किसानों के समक्ष उपस्थित है। उन्होंने कहा कि आज विभिन्न फसलों की मिश्रित नर्सरी की अपेक्षा विशेष किस्म के फल, सब्जी एवं फूलों के पौधों की नर्सरी के पौधों के उत्पादन, मातृ वृक्षों की स्थापना, उत्त्कीकृत किस्मों एवं नये-नये नर्सरी उत्पादक मीडिया की आवश्यकता है। डा. द्विवेदी ने बताया कि नर्सरी के विक्रय हेतु खुले एवं सरल बाजार आज भी चुनौती का विषय बने हुए है।

कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता, डा. शिवेन्द्र कुमार कश्यप और निदेशक, सेवायोजन एवं परामर्श, डा. आर. एस. जादौन ने भी अपने विचार व्यक्त किये और विद्यार्थियों को प्रशिक्षण का लाभ प्राप्त कर अपना उद्यम स्थापित करने हेतु शुभकामनाएं दी साथ ही वित्तीय योगदान हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का आभार व्यक्त किया। इससे पूर्व कार्यक्रम समन्वयक, डा. ओमवीर सिंह ने अतिथियों का स्वागत कर कार्यक्रम की रूप-रेखा बतायी। कार्यक्रम के अंत में उद्यान विज्ञान के विभागाध्यक्ष, डा. डी. सी. डिमरी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन उप-समन्वयक, डा. रत्ना ने किया। इस अवसर पर उद्यान एवं सब्जी विज्ञान विभाग के संकाय सदस्य, पादप कार्यिकी विभागाध्यक्ष, डा. अतुल कुमार, जैन इरीगेशन प्रा. लि. के डा. राजेश कुमार एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।